

प्रेषक,

अमिताम श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
चम्पावत।

संस्कृति अनुभाग :

देहरादून : दिनांक 5 फरवरी, 2005

विषय:- ग्यारहवें वित्त आयोग के अन्तर्गत मन्दिरों के जीर्णोद्धार हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संस्कृति निदेशालय के पत्र संख्या-1149/सं0नि030/घो-3/2004-05, दिनांक 07 जनवरी, 2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ग्यारहवें वित्त आयोग के अन्तर्गत मन्दिरों के जीर्णोद्धार हेतु कालम-4 के क्रमांक-1 व 2 में अंकित धनराशि क्रमशः रु0 11.70 लाख व रु0 25.45 लाख तथा कालम-6 के क्रमांक-3 में अंकित धनराशि रु0 0.49 लाख अर्थात् कुल धनराशि रु0 37.64 लाख (रुपये सैंतीस लाख चौंसठ हजार मात्र) निम्नलिखित शर्तों के अधीन तालिका के अनुरूप मन्दिरों/योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2003-04 में जिलाधिकारी, चम्पावत के निवर्तन में रखी गई रु0 49.37 लाख के सापेक्ष अवशेष धनराशि रु0 27.24 लाख तथा अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, अल्मोड़ा के निवर्तन में रखी गई धनराशि रु0 10.40 लाख के अन्तर्गत व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख रु0 में)

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्रस्तावित धनराशि	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत धनराशि	वित्तीय वर्ष 2003-04 में आहरित की गई धनराशि जो कि जिलाधिकारी, चम्पावत /पौड़ी तथा अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा अल्मोड़ा के निवर्तन पर रखी गई है।	वित्तीय वर्ष 2003-04 में आहरित की गई धनराशि जो कि जिलाधिकारी चम्पावत के निवर्तन पर रखी गई है में से वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु व्यय की जाने वाली धनराशि को जिलाधिकारी, पौड़ी, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, अल्मोड़ा तथा कुमाऊँ मण्डल विकास निगम लि०, नैनीताल को उपलब्ध कराया जाना है।
1	2	3	4	5	6
1	कमिलेश्वर महादेव मन्दिर, अल्मोड़ा	14.41	11.70	10.40	1.30
2	बाणासुर का किला, चम्पावत	29.23	25.45	25.45	25.45
3	रंगेश्वर महादेव कण्डारा, रुद्रप्रयाग	4.44	3.96	2.40	0.49
	कुल योग-	48.08	41.11	38.25	27.24

2- मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि जिलाधिकारी, चम्पावत के निवर्तन पर रखी गई बाणासुर का किला, चम्पावत से सम्पर्क मार्ग के निर्माण तथा सौन्दर्यीकरण के कार्य प्रतिबन्धित किए जाने के फलस्वरूप रु0 49.37 लाख के सापेक्ष बचत धनराशि रु0 22.13 लाख को शासनादेश संख्या-33/VI-I/2005/11(सं0)/2003, दिनांक 29 जनवरी, 2005 द्वारा विभिन्न योजनाओं (मन्दिरों/स्मारकों) के जीर्णोद्धार हेतु व्यय करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी तथा अवशेष धनराशि रु0 27.24 लाख मात्र को कालम-6 में उल्लिखित योजनाओं हेतु व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

- 5- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दर्श/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-भरती निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्वेता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 8- उक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र वित्तीय वर्ष के अन्त तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जाय।
- 8-(1) आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहा यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट में अनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेश में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
- 3- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृत प्राप्त करनी होगी, स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।
- 4- जिलाधिकारी, चम्पावत को इस आशय से प्रेषित कि वे अपने निवर्तन पर रखी गयी अवशेष धनराशि में से रु0 1.30 लाख अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, अल्मोड़ा व रु0 25.45 लाख कुमाऊँ मण्डल विकास निगम लि0, नैनीताल तथा रु0 0.49 लाख जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल को उपरोक्तानुसार गन्दिरों/स्मारकों के जीर्णोद्धार हेतु हस्तान्तरित करने का कष्ट करें।
- 5- 11 वें वित्त आयोग से सम्बन्धित सम्पूर्ण धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2005 तक सुनिश्चित कर लिया जाय।
- 6- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र सं0-1369/वित्त अनुभाग-2/2005 दिनांक 05 फरवरी, 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- VI-I/2005-11(सं0)2003, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निदेशक संस्कृति निदेशालय, देहरादून।
- 3- जिलाधिकारी, अल्मोड़ा/पौड़ी।
- 4- क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, अल्मोड़ा/पौड़ी।
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
- 6- अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, अल्मोड़ा।
- 7- प्रबन्ध निदेशक, कुमाऊँ मण्डल विकास निगम लि0, नैनीताल।
- 8- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।